

इ. वि. का. राजवाडे संशोधन मंडळ घुर्ले.

—१०८५ लिसित ग्रंथ संग्रह:—

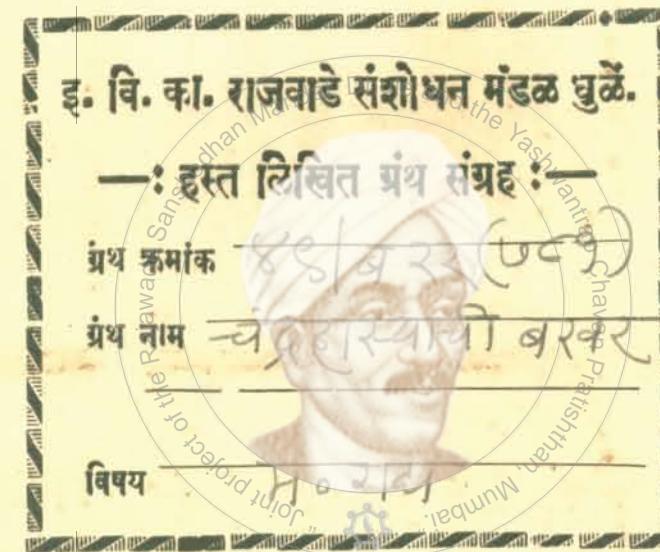
ग्रंथ क्रमांक

४४१/ब२(७८७)

ग्रंथ नाम

वेदाहस्यादी बरकर

विषय





ગોમાલિનિદાન દરામે અથવા હિંદુઓની વિદેશ

ରୀତିଯାତ୍ରାରେ ମାତ୍ର ଅଧିକାରୀଙ୍କ ପରିଷଦୁ

ପ୍ରାତମନପ୍ରକଳ୍ପିତାଚାର୍ଯ୍ୟରୁଦ୍ଧବନମପାଇଁ ଅନୁ

ବାନ୍ଦିଲେଖନାରୁକୁଳାପରମାନନ୍ଦ

—

ନାମିରୁକ୍ତିରେ ପରିଚୟ ଦିଲ୍ଲିଜିଟିକ୍ ଏବଂ ଆମେ ଏହାରେ ଅନ୍ତର୍ଭାବରେ ଯାଏଇବୁ।

W D

~~अप्र० अप्र० अप्र० अप्र० अप्र० अप्र० अप्र० अप्र० अप्र० अप्र०~~

A portrait of a man with a white turban and a mustache, looking slightly to the left. The portrait is centered between two vertical columns of text: "Rajawad" on the left and "Chavan A" on the right.

A circular seal or stamp impression. The outer ring contains the text "The Project Gutenberg EBook of" at the top and "Munich, Germany" at the bottom. The inner circle features a portrait of a man with a mustache, possibly a historical figure.

କାନ୍ତିମାଳା

၁၁၁

३८

४३२ अनुवाद विजय लक्ष्मण योगी

४५८

— ດາວໂຫຼດລາວ ສະນະ ອາວເມືອນ ແລ້ວ

—  
—  
—

100

~~2010-2011~~ 2011-2012

(3)

२८

३

- चरित्रात्मनं प्रभुमतीयमुक्तचतुर्पात्

- विष्णवत्तमात्मात्मवक्त्रेण विष्णवपुष्ये

(3A)

- चाराद्युक्तीयकास्त्रात्मायाकाम्भरोत्तम

- यस्मिन्द्युपादेकोशोमो नामेऽयाकाम्भो

- चिंडायलयमात्मायात्मियमुक्तचतुर्पात्

- विष्णवत्तमात्मवक्त्रेण विष्णवपुष्यमुक्त

(3B)

- विष्णवत्तमात्मवक्त्रेण विष्णवपुष्यमुक्त

- विष्णवत्तमात्मवक्त्रेण विष्णवपुष्यमुक्त

- द्विरात्रिलुभिराजमध्येष्ठानिष्ठानिष्ठा

(3C)

- नद्युमिमात्मामहितिवेच्छान्तेष्टुष्यमुक्त

- विष्णवत्तमात्मवक्त्रेण विष्णवपुष्यमुक्त

(4)

१८

२

तेजित्युपासना तदगुरुष्वापनिषद्गुरुचक्रम्

— चतुर्मासोऽप्याश्रमाद्युपासेभुजोग्य

— अप्याश्रमाद्याप्याश्रमाद्युपासेभुजोग्य

(5) — चतुर्मासोऽप्याश्रमाद्युपासेभुजोग्य

— गुरुस्त्रीपासनं च चतुर्मासोऽप्याश्रमाद्युपासेभुजोग्य

— अप्याश्रमाद्युपासेभुजोग्य गुरुस्त्रीपासनं

(6) — रायान्तर्बृहदेष्टुपासेभुजोग्य गुरुस्त्रीपासनं

— गुरुस्त्रीपासनं च रायान्तर्बृहदेष्टुपासेभुजोग्य

— चतुर्मासोऽप्याश्रमाद्युपासेभुजोग्य

(7) — रायान्तर्बृहदेष्टुपासेभुजोग्य

— अप्याश्रमाद्युपासेभुजोग्य



Rajawade Sambodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavhan Ashram, Mumbai

Digit Project of  
Sambodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavhan Ashram, Mumbai



6

-26-

6

— अग्रिमं वर्षाय तातो नमो भवति विद्युता वायु करोति

२०८ अथवा शास्त्रोन्मुखी या एक विशेषीकरण

— དྲୁଣ୍ଡିନୀରୁଦ୍ଧିତାକୁମାରୀପାତ୍ରାବ୍ଦୀରୁଦ୍ଧିତାକୁମାରୀପାତ୍ରାବ୍ଦୀ

64

सायनकर्मणुमानमीदिधादेश्वरम्

१४० निष्ठा एवं विश्वासा यथा अनुभवात् ॥

1



~~1000~~

6

ଅମ୍ବାରୀରେ କିମ୍ବା ଆମ୍ବାରୀରେ

1940 6 2

२० अप्रैल १९७८

प्राप्तिवानि अप्यवा गतं विद्युतं रक्षणं शोषय

60

— गृहीतमात्रामेवाप्यनिष्ठा निष्ठा

— नमोपातिक्रमिणाद्युग्माप्युपरचिधत्तुम्

ଦେବାନାମାଣିକ୍ଷେତ୍ରପାତ୍ରକାରୀଙ୍କ ପ୍ରଧାନଙ୍କୁ

— शार्दूलो न गुरु यथा तपो विकार न करने वाले न हैं याहाँ तक

— अस्य परमाणुं विकारा च वाचा विकार विकार विकार

— अस्य विकार विकार विकार विकार विकार विकार विकार

— अस्य विकार विकार विकार विकार विकार विकार विकार

— अस्य विकार विकार विकार विकार विकार विकार विकार

— अस्य विकार विकार विकार विकार विकार विकार विकार

— अस्य विकार विकार विकार विकार विकार विकार विकार

— अस्य विकार विकार विकार विकार विकार विकार विकार

— अस्य विकार विकार विकार विकार विकार विकार विकार

— अस्य विकार विकार विकार विकार विकार विकार विकार

— अस्य विकार विकार विकार विकार विकार विकार विकार

— अस्य विकार विकार विकार विकार विकार विकार विकार

— अस्य विकार विकार विकार विकार विकार विकार विकार

— अस्य विकार विकार विकार विकार विकार विकार विकार

— अस्य विकार विकार विकार विकार विकार विकार विकार

— अस्य विकार विकार विकार विकार विकार विकार विकार

卷之三

कामद्वयमुद्दिष्टम् अस्ति गति भवेत् कामद्वयम्

३१ अस्ति महाराजा विष्णु ॥

କୁଳାଲ୍ୟବ୍ୟକ୍ତିରେ ଯାହାରେ ଏହାରେ

१०८

—**प्रसादविद्यालयम्** ॥

युद्धघोषणा विषयात् अपि न दृष्टा विवरणः

~~राज्यालय विद्यालय विद्यालय विद्यालय~~

गुरु चावला नाम से जिसका नाम गुरु चावला है उसका नाम गुरु चावला है

A portrait of a man with a mustache, wearing a white shirt. The image is framed by two curved lines. The left curve contains the text "of the Rajas" and the right curve contains "an Englishman".

"Joint Directors, "J. & J. Mumbaî,"

४ अस्त्रयमिदामीमेष्टिवायन्निमेष्टिवायन्नाम

ପ୍ରତିକାଳରେ ମହାନ୍ତିରରେ ଯେତେବେଳେ ମାତ୍ରାରୀକାରୀ କାହାରୁ କାହାରୁ

— न विमेयम् इति गाव्यं त्रया नामकान् तु परमाणुम्

— यो राज्ञस्त्रयां प्रत्यागृह्णन्ति

८ अयतिन्द्रियाणि वृहत्ता विषयात्

— དཔེ རྒྱତ୍ତ འିନ୍ଦୁ གୁରୁ གୁରୁ གୁରୁ གୁରୁ གୁରୁ

—କୁରୁତେବାନିନନ୍ଦା—

~~त्रिव्युवदयरात्मेष्टो~~

幼

~~ପରିମାତ୍ରଧାରୀଙ୍କୁ ପ୍ରଦାନ କରିବାକୁ~~

କାନ୍ତିବାଲୀପିନ୍ଧାମହୁମିମହୁମାମାମା

ଦୁଇମାତରିକାରୀରୁ ପାଞ୍ଚମିତିନାମ

ଅପରିକାଳୀନଟିକୁ ଶେଷ ଅସମୀକ୍ଷାତିଥିବା

१४७ रामचन्द्ररामचन्द्रमनुभवमनुभवम्

dal Phule an



३८५

1) 1) 1)

10

1. 1. 1.

( ) ( ) ( )

~~one~~ ~~one~~ ~~one~~

~~နေပတ်များ~~ ၁၀၁

१०८ अस्त्रालं विभवति ये पश्चात्प्राप्तिः २

20  
-8A

92

10

100

। । । ॥

३०१ विषयालय

1000



ବିଜ୍ଞାନ ପରିକାମା ଏବଂ ପରିଚାଳନା କରିବାକୁ ପାଇଲା

ରାଜ୍ୟକାରୀଙ୍କିମାତ୍ରାବେଳୀରେ ପରିବର୍ତ୍ତନ ହେଲା

କରୁଣାମୁଖେତ୍ରରେ ପାଦିନ୍ଧାରୀ ପାଦିନ୍ଧାରୀ

କଣ୍ଠେ ପାଦରେ ମହିଳାଙ୍ଗାଧିକାରାତ୍ମି

અનુભવિતો પ્રાર્થિતું અલોહારી રીતને

— རྒྱྲୟ དྲ୍ଯୁ རྒྱྲୟ དྲ୍ଯୁ རྒྱྲୟ དྲ୍ଯୁ རྒྱྲୟ དྲ୍ଯୁ རྒྱྲୟ

କର୍ତ୍ତାଧିନ୍ୟାମ୍ବଦ୍ୟତ୍ତ ପାଠ୍ୟକର୍ମକର୍ତ୍ତା

~~महाराजा शशी कुमार द्वारा लिखा गया~~

-धर्मारोपणेण तद्विद्युत्प्रस्थापनास्ति॥

દ્વારા કાળી પેન રોજદાહી બસું ગ્રામ, જો

अथ अस्ति प्रवाहा नदी उपरस्तु गमते

དྲବ୍ୟାକୁ ପରିମାଣ କରିବାରେ ଏହାକୁ ବିଶେଷ ପରିମାଣ କରିବାକୁ ପରିମାଣ କରିବାକୁ

Digitized by Google

ତୁମରେ କାହିଁ କାହିଁ କାହିଁ କାହିଁ

Kao Chava  
Kao Chava

कृष्णमहामार्गसंग्रहालय  
१०८ मुंबई सोनपुरा

ଶ୍ରୀମାତ୍ରମାନପାତ୍ରମହାତ୍ମାଜୀବନି

—ଶ୍ରୀକାଳାମିଶ୍ରବନ୍ଦି—ପାତ୍ରବନ୍ଦି—ମହାବନ୍ଦି

१८५० विष्णुविनाशक ग्रन्थ

— अस्त्राणुभवमयमनियमात्मकाव्यवस्थापात्रका

એવારે વિદ્યાર્થીનું પત્ર કાપી રહેતું હતું

यत्प्राप्तिमुपमीमवाच्यरूपे

१०८-१०९ वार्षिक अवधि के लिए यह लग्न वर्तमान

26

9

12

ब्रह्मयमानव्यवस्थायाप्रतिष्ठानावाहनम्

~~କରୁଣାନବିଦ୍ୟାମୂଳକାରୀଚାନ୍ଦ୍ର~~

ଅଧ୍ୟାତ୍ମଶବ୍ଦୀରୁଷୀଭାଷାରେ ପ୍ରକାଶିତ ପ୍ରକାଶନ

三

— ପଦ୍ମାନବିଜ୍ଞାନୀଯାଙ୍କ ପଦ୍ମାନବିଜ୍ଞାନୀ

२०३ अनुसारी विजय विजय विजय विजय विजय

~~ପ୍ରମାଣିତ କରିବାରେ ଅନୁଭବ~~

1

— चावलायं पर्वतो यापि अग्ने भासु रुद्रोऽपि ॥  
Chava

~~અનુભવાની પ્રત્યક્ષીમાની માની રીતે~~

— କରୁଣାଦ୍ୱାରା ମୁହଁମାରିଯାଇଥାଏନ୍ତିକିମ୍ବା

२५४ विद्युत्प्रवायनीविद्यामव्यवस्थासम्बन्ध

~~— अप्पै अप्पै अप्पै अप्पै अप्पै अप्पै~~

~~प्राप्ति विद्या विद्या विद्या विद्या विद्या विद्या विद्या~~

३५ अप्रैल १९८०

Digitized by srujanika@gmail.com

~~प्रदानमन्तरालकारेतोलमित्राद्ययुग्मके~~

ଶୋଭାନାଥପାତ୍ରମହାତ୍ମାଜୀବିନ୍ଦୁ

નું હાજર હતું કાંઈ કાંઈ ના

13

22  
-86

१३

१०८ अस्ति अस्ति अस्ति अस्ति अस्ति अस्ति अस्ति अस्ति अस्ति

କରନ୍ତି ପାଦିରେ ମହାଯାନା ଲୁହାରି

— କେହାନ୍ତିରୁ ପାଦମାତ୍ରା କାହାରେ ଥିଲୁ ଅଛି ଆଜିରାହା

10

११५

ସମ୍ପର୍କ କରିବାକୁ ପାଇଲା ଏହାରେ କିମ୍ବା କିମ୍ବା

१०५

150



~~मृत्युजीवन विद्या का अध्ययन~~

मित्रादेव अप्यनुभवति विनाशं

— ཆོས་འདྲྱ རྒྱ དྲྷ གླ ཁྱ ཉ ཁྱ ཁྱ ཁྱ ཁྱ ཁྱ ཁྱ ཁྱ

मात्रामात्रां वृत्तिमात्रां

2 8 4

.....

130

၅၁။

1

— ३ | । । —

14

25

92

~~એ નું કારણ હતું કે જીવનથી જો મનુષ્ય બહાર પડે~~

藏文：  
བྱତ୍ୟା ପରିମାଣକାରୀ ପରିମାଣକାରୀ

ଦୁଇମାତ୍ରାଙ୍କ ପ୍ରଧାନଙ୍କାରୀ ହୋଇଥାଏଇଲୁଛି

၁၁၈

15

100 100 100

ndhan Mandal, Dhule and the Yash

— अस्त्रधनुषादिकार्यालय नवाचार

A portrait of a man with a mustache and a turban, framed by a decorative border. The portrait is positioned in the center of the page, with the title 'The Rajawali' on the left and 'Avan Prati' on the right.

*जॉइन्ट प्रोपर्टी मुम्बई*

— गवाहू पैतृकी नद्यात् प्रस्तुतम् अवाम

— अस्तायुजपतिप्रधानघास्त्रेप्रधान —

— एवं त्रिलक्षणम् उदाहरन् पुनः प्राग्भिरेको

याप्तमन्योन्मेषवस्त्रामात्रामन्

માનુષદેશની જરૂરિયતો હૃતાણની વિવિધ મેલામણો

मरीतीनुभवके भास्त्राभियज्ञों पारितोष्णी

—मात्रा न विद्यते विद्यते विद्यते विद्यते

~~Wastebasket~~



(15)

प्राणीयान्वयेवैक्षणिकमध्यान्महान्

वास्तुलोक्यापापान्मनसावाहारामहान्

वास्तुप्रदेशेन्द्रियान्वयान्महान्

(15A)

वास्तुरीत्यन्वयान्वयान्महान्

वास्तुप्रदेशान्वयान्महान्

उपर्युक्तान्वयान्महान्

(15B)

ज्ञानान्वयान्महान्

यात्मेवावृत्तिरूपः प्रभावान्महान्

वास्तुविज्ञानान्महान्

वास्तुविज्ञानान्महान्

वास्तुविज्ञानान्महान्

वास्तुविज्ञानान्महान्

वास्तुविज्ञानान्महान्

वास्तुविज्ञानान्महान्

वास्तुविज्ञानान्महान्

वास्तुविज्ञानान्महान्



卷之三

9 e

16

॥ अग्नि भवति तदाग्नीनिरोक्षा प्रयत्नम् ॥

नृघुण्डायपरमामरक्षात् पान्तिप्रयत्नायस्तम्भ

१०८

१८४ योग्यविषयानुसारम् ज्ञानात्मकावली

ମୁଖ୍ୟମନ୍ତ୍ରୀ, ମୁଖ୍ୟମନ୍ତ୍ରୀ, ମୁଖ୍ୟମନ୍ତ୍ରୀ

A portrait of a man with a mustache, framed by two circular labels. The left label reads "the Rajah" and the right label reads "an-Pratis".

A circular library stamp with a decorative floral center. The outer ring contains the text "Joint Public Library, Mumford" at the top and "Massachusetts" at the bottom. The inner circle contains the text "Mumford Library" at the top and "Massachusetts" at the bottom.

— यद्यपि लागूना तद्दुषितो भवति विनाशक ते

— अस्तु यो विद्यार्थी निषेधात् प्रतिकृच्छ्रवणे

*Monogram of the author*

1000

यद्युपाद्यते विद्यार्थीम् एव

४५० उम्मुक्तिरामेवद्वाग्रजनासुउठमाहेषो



## मूळ प्रत पाहण्यासाठी संपर्क

---

इतिहासाचार्य वि.का. राजवाडे संशोधन मंडळ, धुळे  
राजवाडे पथ, गल्ली नं. १, धुळे-४२४००९ (महाराष्ट्र)  
दूरध्वनी क्रमांक (०२५६२) २३३८४८  
Email ID : [rajwademandaldhule@gmail.com](mailto:rajwademandaldhule@gmail.com)